आ जाओ श्याम मेरी बिगड़ी संवारने | by Praveen Verma

नैनन जैसे हीरे मोती रूप तेरा श्रृंगार है
देख के तेरी मोहिनी मूरतिया हम हो गए मालामाल है
आ जाओ श्याम, आ जाओ श्याम
आ जाओ श्याम, आ जाओ श्याम

आजाओ शाम मेरी बिगड़ी संवारने
लो दर पे तेरे आ गए तुझको निहारने
पर्दा हटा के श्याम ज़रा आओ सामने
हम आ गए हैं तेरी नज़रें उतारने

ये मन मेरा मंदिर तेरा बना लूँ मैं इसको सदा के लिए
राधे राधे श्यामा श्यामा गाता रहूं मैं तुम्हारे लिए
श्याम मुझको बुला लो अपने ब्रज धाम में
आ जाओ श्याम मेरी बिगड़ी संवारने

तेरी तस्वीर को आँखों से मैं लगाता हूँ
मेरे घनश्याम चले आओ मैं बुलाता हूँ
कितने दिन बीत गए याद में तेरी मोहन
सुन चले आओ मेरे गीत मैं ये गाता हूँ
कहीं दम निकल ना जाये तेरे इंतज़ार में
आ जाओ श्याम मेरी बिगड़ी संवारने

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%86-%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%93-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%ac%e0%a4%bf%e0%a4%97%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a5%80-%e0%a4%b8%e0%a4%82/